32 हजार करोड़ का निवेश

बदल रहा माहौल

नजाकत और नफासत के शहर लखनऊ की जिस आइपीएल टीम की टैग लाइन हो 'अदब से हराएंगे' तो तो क्या कल्पना कर सकते हैं उसी शहर में दुश्मन पर अचूक वार करने वाली ब्रम्होस मिसाइल बनने जा रही है, डीआरडीओ की प्रयोगशाला बन रही है, जहां रक्षा उपकरण तैयार होंगे। यात्री विमानों के कलपुर्जे बनेंगे और अशोक लीलैंड इलेक्ट्रिक वाहन बनाएगी। लखनऊ कभी नौकरीपेशा लोगों का शहर कहा जाता था, लेकिन इसी साल फरवरी में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में दो लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों से यहां की आर्थिकी बदल रही है। निवेश प्रस्तावों में से 32 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास हो चुका है। निवेश की परियोजनाओं और रोजगार की संभावनाओं पर **राजीव बाजपेयी** की रिपोर्ट...

01 लाख नौकरियों का लक्ष्य, प्रत्येक गांव में दस इकाइयां

1.33 लाख पंजीकृत युवाओं को कंपनियां देंगी नौकरी का अवसर

सरोजनीनगर के भटगांव में लगाई जा रही ब्रम्होस मिसाइल की यूनिट ● जागरण

कानपुर रोड स्थित स्कूटर्स इंडिया की जमीन पर डेढ़ हजार करोड़ की लागत से इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण संयंत्र का भूमि पूजन होने के बाद से गति पकड़ रहा है। प्लांट के बनने से 10 से 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। सैकड़ों लघु, छोटे और मझले उद्योगों को फायदा होगा, जिससे पूरे इलाके की आर्थिकी बदलेगी। डिफेंस कारिडोर के तहत सरोजनीनगर में ही ब्रम्होस मिसाइल की यूनिट बन रही है, जो दिसंबर 2026 तक उत्पादन शुरू कर देगी। इससे पांच हजार इंजीनियरों और पांच हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला भी बनाई जा रही है, जहां पर रक्षा उपकरण बनेंगे। इससे आसपास रक्षा उद्योग से जुड़ी इकाइयों को आगे बढ़ने का अवसर होगा।

जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार का कहना है कि यह तो शुभारंभ है। लक्ष्य तो काफी बड़ा है। लखनऊ में निवेशकों को कई तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं, जिससे उनका भरोसा बढ़ा है। जमीन की खरीद फरोख्त में मुश्किल नहीं हो इसके लिए नोडल अफसर बनाए गए हैं। निवेशकों की समस्याओं को सिंगल विंडो सिस्टम से दूर किया जा रहा है। निवेशकों और अफसरों के बीच लगातार बैठक हो रही हैं ताकि समन्वय बना रहे। अब तक जो निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे हैं उनके आधार पर करीब एक लाख लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा।

इसके अलावा लखनऊ प्रशासन अपनी ओर से गांवों में छोटी इकाइयां स्थापित करने के लिए पहल कर रहा है। लखनऊ में करीब नौ सौ गांव हैं और प्रशासन की कोशिश है कि प्रत्येक गांव में कम से कम दस इकाइयां स्थापित की जाएं। इनमें से अधिकांश इकाइयां एग्रीकल्चर, फार्मिंग, डेयरी और सूक्ष्म इकाइयां होंगी। इसके लिए तहसील स्तर पर कमेटियां गठित की गई हैं, जो प्रत्येक गांव में ऐसे लोगों की सूची तैयार कर रहे हैं जो इकाइयां लगाने के इच्छुक हैं। गांवों में इकाइयां कैसे संचालित होंगी, फंड कैसे आएगा, बाजार कहां होगा इसके लिए उद्यमियों की मदद ली जा रही है। बैंकों को भी तैयार किया जा रहा है।

निवेश के प्रस्ताव (करोड़ों में)

सेक्टर	प्रस्ताव	निवेश
एमएसएमई	201	4557.95
एनर्जी	15	63060
तकनीकी शिक्षा	21	1625.49
हाउसिंग	167	39269.9
पशुपालन	35	328.74
शहरी विकास	27	17502.6
यूपीसीडा	35	13999.9
आइटी, इलेक्ट्रानिक्स	25	4417.5
मेडिकल हेल्थ	22	6440.37

दस वर्षों में उद्योगों से रोजगार

वर्ष	उद्योग	नौकरी
2014	1,323	8,800
2015	2,134	10,800
2016	4,640	19,800
2017	6,545	21,842
2018	7,788	22,072
2019	8,804	17,000
2020	900	2,060
2021	120	3,500
2022	2,200	18,000
2023	24,000	3.5 लाख

अब तक धरातल पर उतरी प्रमुख परियोजनाएं

कुल प्रोजेक्ट	289	न्यू लाइफ बायोटेक प्रा.लि.	500
परियोजनाओं की लागत	32 हजार	हल्दीराम	500
रोजगार के अवसर	एक लाख	बालाजी वेफर्स प्रा.लि.	500
टाटा टेक्नोलाजी	4,174	ओरो इंफ्रा डवलपर्स	439.71
अशोक लीलैंड	1500 करोड़	यलो आइस बायोटेक	404.72
पीटीसी ग्रुप	300 करोड़	इकाना ग्रुप	344
जीके आर्योसिटी	200 करोड़	अवध ग्रुप	300
क्राउन प्लाजा होटल	170 करोड़	किसान प्रो. एग्रोटेक्नोलाजी	300
ओमेक्स इंफ्रा	1,000	लेफाकर इंफ्रा	250
रश्मि डवलपर्स	812	बाबा इंफ्रा	225
हकसफर डीलर प्रा.लि.	800	रेगोलिया होटल	200
अपोलो हास्पिटल	700	इकोलाइफ स्पेस प्रा.लि.	200
बीबीडी ग्रुप	600	जीके आर्योसिटी	200
एलएस डवलपर्स	549	ओरो रियल इंफ्रा	105
यूनिवेस्ट इंटरनेशनल	550	एक्सीलिया ग्रुप	100

नोट: निवेश करोड़ों में

लखनऊ में बड़ी संख्या में निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद से निवेशक लगातार संपर्क कर रहे हैं। निवेशकों के अनुकूल माहौल तैयार है और प्रत्येक कार्य के लिए नोडल अफसर हैं। इन सब चीजों की बदौलत लखनऊ में पचास हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव धरातल पर नजर आएंगे।

– **सूर्यपाल गंगवार**, डीएम

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद से देश ही नहीं विदेश के निवेशक भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जिसके नतीजे कुछ वर्षों बाद धरातल पर नजर आएंगे। मेरी कंपनी तीन सौ करोड़ की लागत से सरोजनीनगर में प्लांट लगा रही है, जहां पर यात्री विमानों के इंजनों में लगने वाले कलपुर्जे तैयार होंगे। यह विशेष प्रकार की धातुओं से तैयार किए जाएंगे, जो बेहद उच्च तकनीकी और गुणवत्ता से गुजरेंगे।

– **सचिन अग्रवाल**, निदेशक पीटीसी इंडस्ट्रीज

अमेरिका से नौकरी छोड़कर खुद का काम करने की चाहत लेकर वापस आया और स्टार्टअप शुरू किया। स्टार्टअप के जरिए आर्टीफिशियल इंटलीजेंस, डाटा साइंस, डाटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, साफ्टवेयर ट्रेनिंग दे रहा हूं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में स्टार्टअप की कई कंपनियां आईं, जिनसे माहौल बन रहा है। आज का युवा नौकरी की बजाय एंटरप्रन्योर बनना चाहते हैं। एआइ और आइटी सेक्टर में बहुत अवसर हैं। पहले स्टार्टअप के लिए फंड की दिक्कत होती थी, लेकिन अब अगर आपके पास आइडिया है तो निवेशक आसानी से मिल रहे हैं।

– **अमित श्रीवास्तव**, एंटरप्रन्योर

एक जिला एक उत्पाद के तहत जो उद्यमी काम कर रहे हैं। उन्हें एकेटीयू के इंक्यूबेशन सेंटर से तकनीकी सहयोग दिया जाएगा। लखनऊ के अलावा प्रदेश में ऐसे 15 केंद्र हैं जहां से उन्हें इस तरह की सहायता मिल सकती है। विश्वविद्यालय के पास पूरा ईको सिस्टम है। सभी उद्यमियों से कहा गया है कि वह आकर इंक्यूबेशन सेंटर को देखें। इसका उन्हें लाभ मिलेगा। उद्यमियों के लिए विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसकी तिथि जिलाधिकारी तय करेंगे।

– **प्रो. जेपी पांडेय**, कुलपति, एकेटीयू

24 हजार नई एमएसएमई इकाइयों का पंजीकरण

चिकन और रेवड़ी जैसे पारंपरिक उद्योगों के बढ़ने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों और लघु उद्योगों में बढ़ोतरी हो रही है। उद्योग विभाग और खादी ग्रामोद्योग के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष मार्च तक सेवायोजन विभाग की वेबसाइट पर 538 नई कंपनियों ने पंजीयन कराया है। कंपनियां पंजीकृत 1.33 लाख युवाओं को नौकरी का अवसर देंगी। यही नहीं उद्योग विभाग के आंकड़ों में पिछले एक साल में छोटी-बड़ी 24,000 नई एमएसएमई की स्थापना हुई और 3.5 लाख युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिले। वर्तमान में 1.20 लाख एमएसएमई इकाइयां पंजीकृत हैं। आर्थिक उन्नति के साथ पिछले पांच वर्षों में शहर में करीब दो दर्जन से अधिक काल सेंटरों में 10 हजार से अधिक युवा नौकरी कर रहे हैं। कई कंपनियों के बंद होने के बावजूद लघु उद्योगों के बढ़ने से आर्थिक उन्नति हुई है। विभागीय योजनाओं के माध्यम से 50 हजार से अधिक महिलाएं रोजगार से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में कई कंपनियों के आने से हजारों युवाओं को नौकरी का अवसर मिलेगा।

पुराने औद्योगिक क्षेत्रों पर भी ध्यान दे सरकार

उद्यमियों का कहना है कि शहर के सभी औद्योगिक क्षेत्रों की हालत खराब है। महिला उद्यमी रेणुका टंडन कहती हैं कि औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सड़कों की हालत जर्जर है और अतिक्रमण के कारण वाहनों का आना जाना मुश्किल है। उद्यमी सुमित मित्तल कहते हैं कि नए प्रोजेक्ट के साथ पुराने उद्योगों पर ध्यान देने की जरूरत है।

एमएसएमई से मिला सहारा

एमएसएमई के तहत मधुमक्खी पालन की शुरुआत करने वाले डा. नितिन सिंह मौजूदा समय में हर महीने तीन से पांच लाख रुपये कमा रहे हैं। चिनहट में मधुमक्खी पालन की ट्रेनिंग देकर अपने साथ 150 युवाओं को भी रोजगार से जोड़ रखा है। तीन सौ मधुमक्खी पालन डिब्बों के साथ वह नीम, सरसों, बबूल व लीची से शुद्ध शहद बना रहे हैं। नितिन का कहना है कि एमएसएमई से उनको अपने कारोबार के लिए बैंक से लोन मिलने में बहुत भागना दौड़ना नहीं पड़ा। अब तो सरकार काफी मदद और सब्सिडी दे रही है।